ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, गुरूवार 05 नवम्बर 2026

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 3 अंक 185

धनतेरस 6 व 7 को, बाजारों की चमक, दो दिन खरीदारी का मौका

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। रोशनी के पर्व दीपावली की शुरुआत धनतेरस से होगी। इस बार धनतेरस 6 और 7 नवंबर को मनाया जाएगा। उदयपुर के बाजारों में भी पर्व को लेकर रौनक नजर आने लगी है। यहां पर सोने-चांदी के आभूषण, बर्तन और पूजन सामग्री की खरीदारी के साथ घरों में लक्ष्मी पूजन की तैयारियां होंगी। धनतेरस केवल खरीदारी का अवसर नहीं, बल्कि भारतीय परंपरा में धन, धान्य और समृद्धि के प्रति आस्था का पर्व भी है। इस दिन सोना-चांदी और नए बर्तन खरीदना शुभ माना जाता है। इसके साथ धनिया के साबुत बीज और झाड़ू खरीदने की भी पुरानी परंपरा है। धार्मिक मान्यता के अनुसार धनिया के बीज अंकुरित होकर बढ़ते हैं, इसलिए इन्हें धन और आमदनी में वृद्धि का प्रतीक माना जाता है। वहीं झाड़ू को घर से दरिद्रता और नकारात्मकता दूर करने का प्रतीक मानकर खरीदा जाता है। हालांकि झाड़ू खरीदने की परंपरा का किसी धर्मग्रंथ में स्पष्ट उल्लेख नहीं मिलता। धनतेरस का संबंध समुद्र मंथन की कथा से भी



जुड़ा है। श्रीमद्भागवत महापुराण के अनुसार समुद्र मंथन से सुरभि गाय, उच्चैःश्रवा घोड़ा, ऐरावत हाथी, कौस्तुभ मणि और पारिजात सहित अनेक रत्नों के बाद देवी लक्ष्मी प्रकट हुई थीं। इसी कारण इस दिन लक्ष्मी पूजन और समृद्धि के प्रतीकों की पूजा का विशेष महत्व माना जाता है। राजस्थान में धनतेरस पर धन की पूजा की परंपरा करीब दो सौ साल पुरानी बताई जाती है। ब्रिटिश इतिहासकार जेम्स टॉड ने 1832 में प्रकाशित अपनी पुस्तक एनल्स एंड एंटिक्विटीज ऑफ राजस्थान में उल्लेख किया था कि कार्तिक कृष्ण त्रयोदशी पर व्यापारी समुदाय के लोग सिक्कों को लक्ष्मी का प्रतीक मानकर उनकी पूजा करते थे। यानी आज की खरीदारी की चमक के पीछे सदियों से चली आ रही आस्था और समृद्धि की कामना जुड़ी है। समुद्र मंथन से प्रकट लक्ष्मी के हाथ में कमल था। ब्रह्मा ने भी उन्हें कमल अर्पित किया। अभिषेक के बाद देवी ने कमल के फूलों की माला हाथ में ली और भगवान विष्णु को पहनाई। श्रीसूक्त में भी लक्ष्मी को कमल पर विराजमान बताया गया है। इसी कारण कमल देवी लक्ष्मी की पहचान और उनकी पूजा के लिए शुभ फूल माना जाता है।

ब्लड बैंक के फ्रीजर का तापमान -30 से 110 डिग्री करने की कोशिश, रूस पर शक



24 न्यूज अपडेट

फ्रांस। साइबर हमलावरों ने अब अस्पतालों और ब्लड बैंकों की जीवनरक्षक व्यवस्था को निशाना बनाना शुरू कर दिया है। फ्रांस में 1 नवंबर की रात हैकर्स ने ब्लड बैंक के कोल्ड स्टोरेज सिस्टम में सेंध लगाकर फ्रीजर का तापमान माइनस 30 डिग्री से बढ़ाकर 110 डिग्री सेल्सियस करने की कोशिश की। समय रहते अलार्म सिस्टम सक्रिय होने से खून और प्लाज्मा के नमूनों को नुकसान नहीं पहुंचा। फ्रेंच ब्लड एस्टैब्लिशमेंट (EFS) ने एहतियातन फ्रीजर में रखे प्लाज्मा को सुरक्षित स्थान पर स्थानांतरित कर दिया। फ्रांस के साप्ताहिक अखबार 'ले कनार आंचेने' ने बुधवार को इस साइबर हमले का खुलासा किया। रिपोर्ट के अनुसार हमलावरों ने कोल्ड स्टोरेज सिस्टम में प्रवेश के लिए डिफॉल्ट पासवर्ड का इस्तेमाल किया। यानी उपकरण में कंपनी की ओर से पहले से तय पासवर्ड को बदला नहीं गया था। EFS के मुताबिक निगरानी और अलार्म व्यवस्था ने तापमान में असामान्य बदलाव को तुरंत पकड़ लिया, जिससे कर्मचारियों को समय रहते कार्रवाई का मौका मिला।

EFS फ्रांस की सरकारी रक्त सेवा है। यह देश के 1,900 से अधिक अस्पतालों के लिए रक्त, प्लाज्मा और प्लेटलेट्स एकत्र करने, उनकी जांच, प्रसंस्करण और आपूर्ति का काम करती है। इसकी सेवाओं से हर साल 10 लाख से अधिक मरीजों को मदद मिलती है। ऐसे में इस सिस्टम पर हमला केवल तकनीकी सेंधमारी नहीं, बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं की सुरक्षा से जुड़ा गंभीर खतरा माना जा रहा है।

इंटरनेट से जुड़े कंट्रोलर बने हैकर्स का रास्ता

दुकानों और कोल्ड स्टोरेज में तापमान नियंत्रित करने के लिए इलेक्ट्रॉनिक कंट्रोलर लगाए जाते हैं। कई उपकरण इंटरनेट से जुड़े होते हैं, ताकि तकनीकी कर्मचारी दूर बैठकर उनकी निगरानी और मरम्मत कर सकें। लेकिन कमजोर पासवर्ड और सुरक्षा में चूक इन्हें साइबर हमलों के लिए आसान निशाना बना सकती है। फ्रांस की सरकारी साइबर सुरक्षा एजेंसी CERT-FR ने 12 अक्टूबर को ही रेफ्रिजरेशन कंट्रोलर पर हमलों को लेकर चेतावनी जारी की थी। एजेंसी ने इंटरनेट पर सीधे उपलब्ध कुछ कंट्रोलरों और उनमें डिफॉल्ट पासवर्ड जैसी कमजोरियों की ओर ध्यान दिलाया था।

सुपरमार्केट से ब्लड बैंक तक फैला खतरा

यूरोप में हाल के दिनों में फ्रीजर और रेफ्रिजरेशन सिस्टम पर हमलों की कई घटनाएं सामने आई हैं। 11 अक्टूबर को फ्रांस के करीब 700 सुपरमार्केट के सिस्टम प्रभावित हुए थे। इंटरमार्शे, कैरेफोर, मोनोप्रिक्स और ई. लेक्लर्क जैसे स्टोरों में फ्रीजर डिफ्रॉस्ट मोड में चले गए, जिससे बड़ी मात्रा में खाद्य सामग्री खराब हुई। कुछ जगह आग लगने की खबरें भी आईं। 1 नवंबर को फ्रांस के अलावा बेल्जियम, नीदरलैंड और स्वीडन सहित नौ देशों में 100 से अधिक दुकानों के फ्रीजर प्रभावित होने की खबर आई। कुछ रिपोर्टों में प्रभावित दुकानों की संख्या 115 से ज्यादा बताई गई। फिनलैंड, इटली और पुर्तगाल में भी ऐसी घटनाएं सामने आईं। 2 नवंबर को लंदन की कंपनी लैंगरिज ऑर्गेनिक के 10 में से छह कोल्ड स्टोरेज सिस्टम हैक किए गए। हमलावरों ने तापमान करीब 66 डिग्री सेल्सियस तक सेट कर दिया और अलर्ट भेजने वाली व्यवस्था भी बंद कर दी। कंपनी ने गड़बड़ी पकड़कर इंटरनेट कनेक्शन काट दिया।

PoK में पाकिस्तानी सुरक्षाबलों की फायरिंग, 7 की मौत, 18 घायल

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (PoK) के रावलकोट में गुरुवार को प्रदर्शनकारियों पर सुरक्षाबलों की फायरिंग में 7 लोगों की मौत हो गई, जबकि 18 गंभीर रूप से घायल हैं। मृतकों में बच्चे भी शामिल हैं। यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (UKPNP) ने आरोप लगाया कि मटियालमेरा बस टर्मिनल और उमर फारूक चौक सहित कई स्थानों पर शांतिपूर्ण धरना दे रहे लोगों पर भारी मशीनगनों और ड्रोन से हमला किया गया। पार्टी के मुताबिक 7 जून से जारी आंदोलन में अब तक 153 लोगों की मौत हो चुकी है। प्रदर्शनकारी राजनीतिक अधिकारों, आर्थिक समस्याओं के समाधान, सुरक्षाबलों की वापसी और नेताओं पर दर्ज मामले खत्म करने की मांग कर रहे हैं। घटना पर पाकिस्तानी अधिकारियों का आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है।

रोनाल्डो का 23 साल का अंतरराष्ट्रीय सफर खत्म, पुर्तगाल की जर्सी को कहेंगे अलविदा



24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली। पुर्तगाल के दिग्गज फुटबॉलर क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने 41 साल की उम्र में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की है। गुरुवार को सोशल मीडिया पर वीडियो संदेश जारी कर उन्होंने कहा कि नवंबर के इंटरनेशनल ब्रेक के बाद वह पुर्तगाल की नंबर-7 जर्सी टीम को लौटा देंगे। रोनाल्डो ने 20 अगस्त 2003 को 18 साल की उम्र में कजाकिस्तान के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय करियर शुरू किया था। 23 साल के सफर में उन्होंने 234 मैच खेले और रिकॉर्ड 146 गोल किए, जबकि उनके नाम 46 असिस्ट भी हैं। वह छह अलग-अलग फीफा वर्ल्ड कप में गोल करने वाले दुनिया के पहले खिलाड़ी बने। छह विश्व कप में 27 मैच खेलकर उन्होंने 11 गोल किए। रोनाल्डो ने विदाई संदेश में कहा कि उन्होंने पुर्तगाल के लिए अपना सब कुछ दिया और इस सफर पर उन्हें गर्व है।

तीसरे चरण में 117 ग्राम पंचायतों में 80.89 प्रतिशत मतदान, अब 20 को मतगणना

सुबह से मतदान केंद्रों पर लगी कतारें, युवाओं से बुजुर्गों तक दिखा उत्साह; नयागांव में सबसे ज्यादा 82.91 और कल्याणपुर में सबसे कम 77.50 प्रतिशत मतदान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 नवंबर। गांवों की सरकार चुनने के लिए तीन चरणों से चल रही चुनावी प्रक्रिया के तहत गुरुवार को उदयपुर जिले में मतदान का अंतिम दौर भी पूरा हो गया। तीसरे चरण में खेरवाड़ा, ऋषभदेव, कल्याणपुर और नयागांव पंचायत समितियों की 117 ग्राम पंचायतों में पंच और सरपंच पदों के लिए ग्रामीणों ने मतदान किया। सुबह मतदान शुरू होते ही केंद्रों पर मतदाताओं की कतारें लग गईं। दिन चढ़ने के साथ मतदान केंद्रों पर आवाजाही बढ़ती गई। युवाओं, महिलाओं और बुजुर्गों ने उत्साह के साथ अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। शाम 6 बजे तक जिले में 80.89 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसके साथ ही जिले की 20 पंचायत समितियों में तीन चरणों में होने वाला मतदान पूरा हो गया है। अब चुनावी प्रक्रिया का अगला बड़ा पड़ाव 20 नवंबर को होने वाली मतगणना है। तीसरे चरण में मतदान की रफ्तार शुरुआती घंटों के बाद तेज हुई। सुबह 10 बजे तक 15.74 प्रतिशत मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग कर चुके थे। दोपहर 1 बजे तक यह आंकड़ा बढ़कर 52.27 प्रतिशत पहुंच गया। अपराह्न 3 बजे तक जिले में 67.24 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। इसके बाद भी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं की आवाजाही जारी रही और शाम 6 बजे तक मतदान का आंकड़ा 80.89 प्रतिशत पर पहुंच गया। पंचायत समिति वार आंकड़ों में नयागांव में सबसे अधिक 82.91 प्रतिशत और कल्याणपुर में सबसे कम 77.50 प्रतिशत मतदान हुआ। खेरवाड़ा में 81.21 और ऋषभदेव में 80.18 प्रतिशत मतदाताओं ने वोट डाले। पहली बार वोट डालने पहुंचे युवाओं में खासा जोश दिखा, वहीं महिलाओं और बुजुर्गों ने भी अपनी भागीदारी निभाई। मतदान को व्यवस्थित बनाने और मतदाताओं को सहयोग देने में स्काउट, एनएसएस और एनसीसी के स्वयंसेवकों ने भी भूमिका निभाई। उन्होंने मतदान केंद्रों पर आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई। ग्रामीण क्षेत्रों में लोकतांत्रिक प्रक्रिया के प्रति लोगों की सक्रियता दिनभर देखने को मिली। जिले में पंचायत चुनाव का पहला चरण गिर्वा, नाई, झाड़ोल, फलासिया, मावली, वल्लभनगर, भींडर, घासा, ओगणा और कुराबड़ पंचायत समितियों में आयोजित हुआ था। इस चरण में जिला परिषद के 25 निर्वाचन क्षेत्रों और पंचायत समितियों के 160 वार्डों के लिए मतदान हुआ। साथ ही 284 ग्राम पंचायतों में सरपंच, उपसरपंच और वार्डपंच चुने गए। दूसरे चरण में बड़गांव, देवला, गोगुंदा, कोटड़ा, सायरा और सुलाव पंचायत समितियों में मतदान हुआ। यहां जिला परिषद के 14 और पंचायत समितियों के 96 वार्डों के लिए चुनाव कराया गया, जबकि 189 ग्राम पंचायतों में सरपंच, उपसरपंच और वार्डपंच पदों के लिए निर्वाचन हुआ। तीसरे और अंतिम चरण में खेरवाड़ा, ऋषभदेव, कल्याणपुर और नयागांव पंचायत समितियों में जिला परिषद के 8 निर्वाचन क्षेत्रों तथा पंचायत समिति सदस्य के 62 वार्डों के लिए मतदान हुआ। इसी चरण में 117 ग्राम पंचायतों के पंच और सरपंच चुने गए। इन पंचायतों में उपसरपंच का निर्वाचन शुक्रवार को प्रस्तावित है। मतदान समाप्त होने के साथ ही अब जिला परिषद और पंचायत समिति सदस्यों के चुनाव परिणामों का इंतजार शुरू हो गया है। इनकी मतगणना 20 नवंबर को होगी। इसके बाद 25 नवंबर को जिला प्रमुख, 26 नवंबर को उपप्रमुख, 27 नवंबर को पंचायत समितियों के प्रधान और 28 नवंबर को उपप्रधानों का निर्वाचन होगा। यानी ग्रामीण क्षेत्रों में मतदान का दौर भले ही थम गया हो, लेकिन जिला परिषद और पंचायत समितियों में नेतृत्व तय होने तक चुनावी हलचल जारी रहेगी।



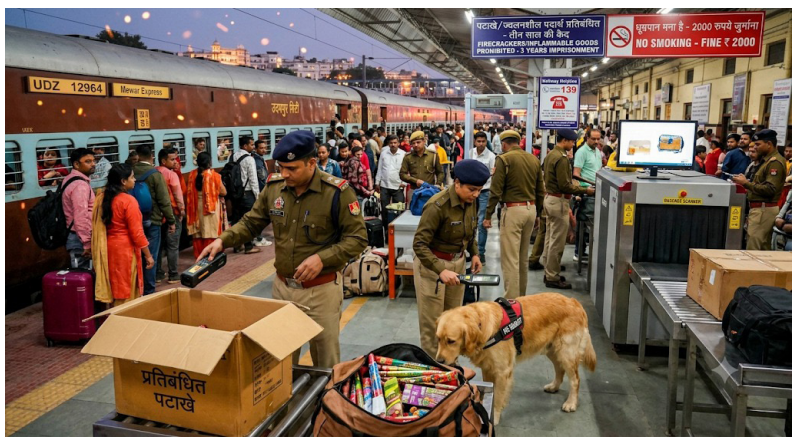
संपादकीय : सुरक्षा का दायित्व

दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में जारी युद्ध और क्षेत्रीय संघ ने अंतरराष्ट्रीय शांति एवं सुरक्षा के सामने गंभीर चुनौती खड़ी कर दी है। पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता तनाव हो या रूस - यूक्रेन युद्ध, इनका असर केवल संबंधित देशों तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक समुदाय भी इनसे प्रभावित हो रहा है। इन संघर्षों के बीच सबसे चिंताजनक स्थिति दूसरे देशों के उन आम नागरिकों की है, जिनका युद्ध से कोई लेना-देना नहीं है, लेकिन उनकी जान पर जोखिम बढ़ता जा रहा है। ऐसे में कारोबार, शिक्षा और अन्य कारणों से विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठ रहे हैं। संघर्ष वाले इलाकों में हो रहे हमलों में भारतीयों की जान जाने का सिलसिला लगातार जारी है। इसी क्रम में ओमान तट के पास बीते सोमवार शाम को वाणिज्यिक पोत पर हुए हमले में एक और भारतीय नाविक की मौत हो गई। सवाल है कि विदेश में भारतीय नागरिकों की सुरक्षा की जिम्मेदारी आखिर किसकी है? क्या विदेश मंत्रालय की ओर से इस तरह के हमलों की केवल निंदा कर देना काफी है ? गौरतलब है कि पश्चिम एशिया भारत के लिए रणनीतिक, आर्थिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत महत्त्वपूर्ण है। इस क्षेत्र के विभिन्न देशों में लाखों भारतीय नागरिक काम करते हैं। वे न केवल वहां की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं, बल्कि अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में अपने परिवारों को भेजते हैं। इससे देश को विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है, जो राष्ट्र की आर्थिक स्थिति को मजबूती देती है। मगर जब से इस क्षेत्र में सैन्य संघर्ष शुरू हुआ है, तब से भारतीय नागरिकों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। इस क्षेत्र में संघर्ष शुरू होने के बाद से विभिन्न हमलों में अब तक कुल तेईस भारतीय नागरिकों की जान जा चुकी है, जिनमें पंद्रह भारतीय नाविक भी शामिल हैं। यह स्थिति केवल पश्चिम एशिया तक सीमित नहीं है। रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध का प्रभाव भी भारतीय नागरिकों के लिए खतरा बना हुआ है। आधिकारिक जानकारी के मुताबिक, काला सागर क्षेत्र में हुए हमलों में अब तक पांच भारतीयों की मौत हो चुकी है। युद्ध के दौरान किसी देश के आम नागरिकों को जानबूझकर निशाना बनाना अंतरराष्ट्रीय कानूनों के खिलाफ है और इस तरह की हिंसा को किसी भी स्थिति में उचित नहीं ठहराया जा सकता। भारत की विदेश नीति परंपरागत रूप से शांति, संवाद और कूटनीति को प्राथमिकता देने की ही रही है, लेकिन इसके साथ ही अपने नागरिकों की सुरक्षा के मामले में दृढ़ रुख अपनाना भी आवश्यक है। यदि किसी संघर्ष में भारतीय नागरिकों को निशाना बनाया जाता है या उनकी सुरक्षा को लेकर खतरा पैदा होता है, तो भारत को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर इसका कड़ा विरोध दर्ज कराने से पीछे नहीं हटना चाहिए। यह सुनिश्चित करना जरूरी है कि विदेश में रह रहे भारतीय नागरिकों के मूलभूत अधिकार सुरक्षित रहें। संयुक्त राष्ट्र सहित विभिन्न अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं में भारत को यह स्पष्ट करना चाहिए कि उसके नागरिकों पर हमले या उनके जीवन को खतरे में डालना किसी भी सूरत में स्वीकार्य नहीं हो सकता। साथ ही संबंधित देशों की सरकारों से राजनयिक स्तर पर संवाद स्थापित कर भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए ठोस आश्वासन प्राप्त किए जाने चाहिए। विदेश में रहने वाले भारतीयों का जीवन सुरक्षित रखना केवल सरकार की कूटनीतिक जिम्मेदारी ही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय दायित्व भी है।

संदेश पर सियासत

कोई भी त्योहार उत्साह, प्रेम, सद्भाव और सकारात्मकता का संदेश देता है। भारत में सभी धर्मों के उत्सवों का सम्मान करने की परंपरा रही है। साथ ही इस बात का खयाल रखने पर भी जोर दिया जाता रहा है कि खुशियों की अभिव्यक्ति में पर्यावरण को नुकसान न हो। ऐसे में अभिनेत्री दीया मिर्जा के पर्यावरण अनुकूल दिवाली मनाने के वीडियो संदेश को सांप्रदायिकता से जोड़कर नाहक ही विवाद खड़ा करने के प्रयासों को किसी भी सूरत में उचित नहीं ठहराया जा सकता। पर्यावरण संरक्षण किसी धर्म, जाति या समुदाय का विषय नहीं, बल्कि पूरी मानवता की साझा जिम्मेदारी है। वैसे भी दीया मिर्जा का यह संदेश बृहन्मुंबई महानगरपालिका के अभियान का हिस्सा था, जिसे बाद में राजनीतिक दबाव के कारण हटा दिया गया। मगर बंबई उच्च न्यायालय ने इस वीडियो संदेश को न केवल फिर से जारी करने का निर्देश दिया, बल्कि इस विवाद पर गंभीर चिंता भी जाहिर की । दरअसल, यह विवाद सार्वजनिक बहस के उस रूप को दर्शाता है, जहां हर चीज को उसके मूल उद्देश्य के बजाय धर्म और राजनीतिक नफा-नुकसान के तराजू में तौला जाता है । बड़ा प्रश्न यह है कि क्या प्रदूषण केवल किसी एक समुदाय को प्रभावित करता है ? क्या स्वच्छ हवा का भी कोई धर्म होता है ? इस मामले में अदालत का हस्तक्षेप केवल एक वीडियो संदेह की बहाली नहीं, बल्कि सार्वजनिक विवेक की पुनर्स्थापना का प्रयास भी है। राजनेताओं और धार्मिक संगठनों को यह समझना होगा कि हर मुद्दे को सांस्कृतिक संघर्ष में बदल देना सियासी लाभ का आसान रास्ता भले लगे, लेकिन वास्तव में इससे सामाजिक विश्वास और सद्भाव ही कमजोर होता है दिल्ली के दौरान पटाखों के अत्यधिक इस्तेमाल से वायु और ध्वनि प्रदूषण की समस्या गंभीर हो जाती है और इस मसले पर सर्वोच्च न्यायालय की ओर से भी दिशा-निर्देश दिए गए हैं। ऐसे में पर्यावरण के प्रति सजगता और लोगों से जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाने की अपील करना एक सकारात्मक पहल है। सार्वजनिक जीवन से जुड़े लोगों का दायित्व है कि वे समाज में जागरूकता फैलाने वाले संदेशों को प्रोत्साहित करें, न कि उन्हें नाहक ही विवाद का विषय बनाएं।

ट्रेन में पटाखे लेकर चढ़े तो पड़ सकती है भारी, स्टेशनों पर बढ़ी जांच; स्कैनर से लेकर डॉग स्क्वॉड तक अलर्ट



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दीपावली और छठ पूजा पर घर जाने वाले यात्रियों की भीड़ के बीच रेलवे ने सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी है। अब ट्रेनों में सफर के दौरान पटाखे, फुलझड़ियां और दूसरी आतिशबाजी साथ रखना भारी पड़ सकता है। रेलवे स्टेशनों से लेकर ट्रेन के डिब्बों और पार्सल कार्यालयों तक संदिग्ध सामान की जांच बढ़ा दी गई है। आरपीएफ और जीआरपी की टीमें निगरानी कर रही हैं। बैगेज स्कैनिंग, सीसीटीवी कैमरों और डॉग स्क्वॉड की मदद से ऐसे सामान पर नजर रखी जा रही है, जिनसे आग लगने या हादसे का खतरा हो सकता है। उत्तर पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी अमित सुदर्शन के अनुसार, पटाखे, फुलझड़ियां, अनार, रॉकेट के साथ गैस सिलेंडर, पेट्रोल, डीजल और केरोसिन जैसे ज्वलनशील पदार्थ यात्री डिब्बों या पार्सल में ले जाना प्रतिबंधित है। त्योहारों के दौरान इन नियमों की पालना सुनिश्चित करने के लिए रेलवे सुरक्षा बल, राजकीय रेलवे पुलिस और संबंधित कर्मचारियों को सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। रेलवे की निगरानी सिर्फ सामान तक सीमित नहीं है। ट्रेनों और रेलवे परिसरों में धूम्रपान करने वालों पर भी कार्रवाई की जाएगी। टिकट जांच कर्मचारियों को नियम तोड़ने वालों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। जन विश्वास (संशोधन) अधिनियम, 2026 के तहत रेलवे अधिनियम की धारा 167 में संशोधन के बाद रेलवे परिसर और रेल डिब्बों में धूम्रपान करने पर 2 हजार रुपए की शास्ति का प्रावधान किया गया है। खतरनाक सामान ले जाने पर भी कड़े दंड का प्रावधान है। रेलवे अधिनियम की धारा 164 के तहत ट्रेन में खतरनाक वस्तुएं अवैध रूप से ले जाने पर तीन साल तक की कैद, एक हजार रुपए तक जुर्माना या दोनों हो सकते हैं। वहीं, जन विश्वास (संशोधन) अधिनियम, 2026 के तहत धारा 165 में प्रतिबंधित श्रेणी के आपत्तिजनक पदार्थ रेलवे में अवैध रूप से लाने पर कम से कम 10 हजार रुपए की शास्ति का प्रावधान किया गया है। रेलवे ने यात्रियों से अपील की है कि सफर के दौरान ज्वलनशील और प्रतिबंधित सामान साथ न रखें। किसी संदिग्ध वस्तु या गतिविधि की जानकारी मिलने पर आरपीएफ, जीआरपी, टीटीई या रेलवे हेल्पलाइन 139 पर सूचना दें। त्योहारों की भीड़ में एक छोटी सी लापरवाही भी बड़े हादसे का कारण बन सकती है, इसलिए रेलवे ने यात्रियों से सुरक्षा नियमों का पालन करने की अपील की है।

धन्वंतरि जयंती पर आयुर्वेद का संदेश देगा सिंधी बाजार औषधालय



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। बीमारी से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने में आयुर्वेद की भूमिका को रेखांकित करने के उद्देश्य से शुक्रवार को सिंधी बाजार स्थित राजकीय आदर्श आयुर्वेद औषधालय में भगवान धन्वंतरि जयंती मनाई जाएगी। कार्यक्रम में भगवान धन्वंतरि का पूजन-वंदन कर आयुर्वेद की परंपरा और उसके स्वास्थ्य संबंधी महत्व का संदेश दिया जाएगा। भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद का अधिष्ठाता देवता माना जाता है। उनकी जयंती पर औषधालय में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के प्रति जागरूकता बढ़ाने और आमजन को निरोगी जीवन के लिए पारंपरिक स्वास्थ्य सिद्धांतों को अपनाने के लिए प्रेरित किया जाएगा। आयोजन के जरिए यह संदेश दिया जाएगा कि स्वास्थ्य केवल बीमारी के उपचार तक सीमित नहीं, बल्कि खानपान, दिनचर्या और जीवनशैली में संतुलन बनाए रखने से भी जुड़ा है। औषधालय के प्रभारी एवं वरिष्ठ आयुर्वेद चिकित्सा अधिकारी डॉ. शोभालाल औदीच्य ने बताया कि आयुर्वेद की प्राचीन और समृद्ध चिकित्सा परंपरा को जन-जन तक पहुंचाना कार्यक्रम का उद्देश्य है। उन्होंने आमजन से जयंती समारोह में शामिल होकर भगवान धन्वंतरि का वंदन करने और आयुर्वेद के महत्व को समझने की अपील की है।

18 से सोमकमला बांध की नहरों में छोड़ा जाएगा पानी, 112 दिन चलेगी रबी सिंचाई



24 न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। सोमकमला आम्बा बांध परियोजना से रबी फसलों की सिंचाई के लिए 18 नवंबर 2026 से 30 मार्च 2027 तक चार चरणों में 112 दिन नहरों में पानी छोड़ा जाएगा। गेहूं, सरसों सहित अन्य फसलों के लिए निर्धारित 50 प्रतिशत सिंचित क्षेत्र को पानी मिलेगा। पेयजल के लिए भी पर्याप्त जल आरक्षित रखा गया है। जिला परिषद सभागार में संभागीय आयुक्त खजान सिंह की अध्यक्षता में हुई जल वितरण समिति की बैठक में यह निर्णय लिया गया। बैठक में किसानों ने नहरों की सफाई नहीं होने और सीपेज के कारण टेल तक पानी नहीं पहुंचने की समस्या उठाई। आयुक्त ने सिंचाई अधिकारियों को पानी छोड़ने से पहले नहरों की सफाई और मरम्मत कराने तथा समान वितरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक में जिला कलेक्टर देशलदान, समिति अध्यक्ष रघुनाथ सिंह सहित किसान और संबंधित विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम में गौवत्स द्वादशी पर सुनाए गाय से जुड़े प्रेरक प्रसंग, प्रकृति संरक्षण और नैतिक मूल्यों का दिया संदेश



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 नवंबर। समाज की वास्तविक समृद्धि केवल आर्थिक विकास से नहीं, बल्कि संवेदना, सत्यनिष्ठा और दूसरों के प्रति समर्पण से आती है। सेवा और मानवीय मूल्यों को जीवन का आधार बनाने की जरूरत है। यह बात नारायण सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत अग्रवाल ने संस्थान के सेवातीर्थ स्थित वर्ल्ड ऑफ ह्यूमैनिटी में आयोजित 'अपनों से अपनी बात' कार्यक्रम में कही। गौवत्स द्वादशी के अवसर पर उन्होंने गाय से जुड़े पौराणिक प्रसंगों के माध्यम से सेवा, सत्य, वचनबद्धता और प्रकृति संरक्षण का महत्व समझाया। अग्रवाल ने राजा दिलीप और नंदिनी गाय की कथा सुनाते हुए बताया कि राजा ने महर्षि वशिष्ठ के आश्रम में 21 दिनों तक नंदिनी की सेवा की। उसकी रक्षा के लिए वे अपने प्राण तक न्योछावर करने को तैयार हो गए थे। उनकी सेवा और निष्ठा से प्रसन्न होकर नंदिनी ने उन्हें पुत्र रघु का आशीर्वाद दिया। इस प्रसंग के जरिए उन्होंने समझाया कि सच्ची सेवा में स्वार्थ नहीं, बल्कि समर्पण और कर्तव्य की भावना प्रमुख होती है। उन्होंने पुण्यकोटि गाय की कथा के जरिए सत्य और वचन निभाने की सीख दी। कथा के अनुसार, बछड़े को दूध पिलाकर लौटने का वचन देने वाली गाय बाघ के पास वापस पहुंच गई। गाय की सत्यनिष्ठा और वचन के प्रति दृढ़ता देखकर बाघ का हृदय परिवर्तन हो गया। अग्रवाल ने कहा कि परिस्थितियां कितनी भी विपरीत क्यों न हों, मनुष्य को अपने वचन और नैतिक मूल्यों से पीछे नहीं हटना चाहिए।

शरद रंग उत्सव के पोस्टर का विमोचन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 नवंबर। संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन संचालित पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर द्वारा गुरूवार को केन्द्र के मुख्यालय बागोर की हवेली में शरद रंग उत्सव के पोस्टर का विमोचन केन्द्र निदेशक डॉ. अश्विन एम. दलवी द्वारा किया गया। कला और संस्कृति के इस अनूठे संगम में पर्यटकों और शहरवासियों को देशभर के लजीज व्यंजनों का स्वाद चखने के साथ-साथ हर शाम मनमोहक सांस्कृतिक प्रस्तुतियों का आनंद उठाने का मौका मिलेगा। पश्चिम क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र, उदयपुर के निदेशक डॉ. अश्विन एम दलवी ने बताया कि चार दिवसीय शरद रंग उत्सव का आयोजन 12 से 15 नवंबर 2026 तक किया जा रहा है। इस फूड एवं म्यूजिक फेस्टिवल में संगीत की शानदार शामों के साथ आमजन को देशभर के लजीज व्यंजनों का स्वाद भी मिलेगा। पोस्टर विमोचन के अवसर पर केन्द्र के सहायक निदेशक (वित्त एवं लेखा) दुर्गेश चांदवानी, अधीक्षण अभियंता सी.एल. सालवी, प्रभुलाल गायरी, सौरभ शर्मा, जाग्रत डूंगरवाल, महेन्द्र सिंह गहलोत, सुनील निमावत, पूजा सैनी, अनीता डांगी, मुकुल औदिच्य, दीपक नवलखा आदि उपस्थित थे। 12 नवंबर को नीश एंटरटेनमेंट द्वारा ब्लैक एंड व्हाइट संगीत संध्या का आयोजन किया जाएगा। इसके बाद 13 नवंबर को कहरवा फ्यूजन, 14 नवंबर को कवि सम्मेलन, 15 नवंबर को इम्ब्रेस बाय हसरत का आयोजन किया जाएगा। इस शरद रंग उत्सव में देशभर के लज़ीज़ व्यंजनों का आनंद दोपहर 12 बजे से रात 10 बजे तक लिया जा सकेगा तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शुरुआत हर शाम 6 बजकर 30 मिनट से होगी।

लेकसिटी में तीन दिन में चांदी 8800 और सोना 5550 रुपए महंगा

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दिवाली से ठीक पहले सोने-चांदी के बाजार में तेजी ने खरीदारों की चिंता बढ़ा दी है। उदयपुर सर्राफा बाजार में बीते तीन दिनों के दौरान दोनों कीमती धातुओं के भाव में लगातार उछाल दर्ज किया गया। खास बात यह है कि तेजी की रफ्तार शुरुआत में सीमित रही, लेकिन 4 और 5 नवंबर को भाव तेजी से ऊपर चढ़े। 2 नवंबर के मुकाबले 5 नवंबर तक चांदी टंच 7800 रुपए प्रति किलो महंगी हो गई, जबकि सोना स्टैंडर्ड के भाव में 6000 रुपए प्रति 10 ग्राम की बढ़ोतरी दर्ज की गई। त्योहारी खरीदारी के अहम दौर में आई इस तेजी का सीधा असर ग्राहकों के बजट पर पड़ सकता है। सर्राफा एसोसिएशन के पदाधिकारी इंदरसिंह मेहता ने बताया कि स्थानीय भावों के अनुसार 2 नवंबर को चांदी टंच 1,78,700 रुपए प्रति किलो थी। 3 नवंबर को इसमें 1000 रुपए की गिरावट आई और भाव 1,77,700 रुपए रह गए। इसके बाद बाजार ने तेजी पकड़ी। 4 नवंबर को चांदी 5900 रुपए उछलकर 1,83,600 रुपए और 5 नवंबर को 2900 रुपए और बढ़कर 1,86,500 रुपए प्रति किलो पहुंच गई। यानी शुरुआती एक दिन की गिरावट के बावजूद अगले दो दिनों की तेजी ने तीन दिन का पूरा रुख बदल दिया। चांदी चौरसा भी इसी दिशा में चली। इसके भाव 2 नवंबर के 1,77,650 रुपए से बढ़कर 5 नवंबर को 1,85,400 रुपए प्रति किलो हो गए। सोने में भी तेजी का रुख लगातार बना रहा। 999 शुद्धता वाला सोना स्टैंडर्ड 2 नवंबर को 1,37,700 रुपए प्रति 10 ग्राम था। 3 नवंबर को यह 450 रुपए बढ़कर 1,38,150 रुपए हुआ। 4 नवंबर को 3100 रुपए की बड़ी छलांग के साथ भाव 1,41,250 रुपए पर पहुंचे और 5 नवंबर को 2450 रुपए की और बढ़ोतरी के बाद 1,43,700 रुपए हो गए। इस तरह तीन दिनों में सोने के भाव में कुल 6000 रुपए की तेजी दर्ज की गई। जेवराती सोने के भाव भी 2 नवंबर के 1,32,190 रुपए से बढ़कर 5 नवंबर को 1,37,950 रुपए हो गए। वहीं 22 कैरेट सोना 1,26,685 रुपए से बढ़कर 1,32,205 रुपए प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गया। भावों में आई तेजी का असर केवल निवेश के लिहाज से सोना-चांदी खरीदने वालों तक सीमित नहीं है। दिवाली पर गहने, सिक्के और चांदी के बर्तन खरीदने की तैयारी कर रहे परिवारों को भी अब पहले के मुकाबले ज्यादा रकम खर्च करनी पड़ सकती है। खासकर चांदी में दो दिन के भीतर आई तेज बढ़ोतरी ने बाजार का ध्यान खींचा है। सर्राफा बाजार की ओर से जारी दरों में जीएसटी 3 प्रतिशत अतिरिक्त है।

दानपात्र तोड़े, दुकानों के ताले चटकाए, उत्पाती दो नाबालिग चढ़े पुलिस के हत्थे, 14 चोरियों का खुलासा



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के धार्मिक स्थलों को निशाना बनाकर दानपात्र तोड़ने और नकदी चुराने वाले दो नाबालिगों को प्रतापनगर थाना पुलिस ने डिटेन किया है। पुलिस के अनुसार दोनों ने प्रतापनगर, हिरणमगरी और सवीना थाना क्षेत्रों में मंदिरों के अलावा व्यावसायिक प्रतिष्ठानों और खंडहर मकानों में चोरी की कुल 14 वारदातें करना स्वीकार किया है। आरोपियों ने चोरी के लिए अलग-अलग इलाकों के मंदिरों और छोटी दुकानों को निशाना बनाया। पुलिस ने उनके कब्जे से चोरी की नकदी बरामद की है। पूछताछ के बाद दोनों को सम्प्रेषण गृह भिजवा दिया गया। पुलिस के मुताबिक, गिरोह तक पहुंचने का रास्ता बोहरा गणेशजी रोड स्थित भैरूजी मंदिर में हुई चोरी की घटना से खुला। सुंदरवास निवासी गेहरीलाल गायरी ने 1 नवंबर को प्रतापनगर थाने में रिपोर्ट दी थी कि 29 अक्टूबर की रात अज्ञात चोर मंदिर में लगे सीसीटीवी कैमरे को तोड़कर दानपात्र से करीब 10 से 15 हजार रुपए निकाल ले गए। मंदिर में चोरी और सीसीटीवी कैमरा तोड़े जाने की घटना को गंभीरता से लेते हुए एसपी डॉ. अमृता दुहन ने विशेष टीम गठित कर आरोपियों की तलाश के निर्देश दिए।

इसके बाद पुलिस ने घटनास्थलों के आसपास लगे

सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले। तकनीकी अनुसंधान और मुखबिर तंत्र से मिली जानकारी को जोड़ते हुए दो संदिग्ध नाबालिगों को चिह्नित किया गया। पुलिस ने दोनों को डिटेन कर पूछताछ की तो शहर के तीन थाना क्षेत्रों में हुई चोरी की कई वारदातों का खुलासा हुआ। पुलिस का दावा है कि दोनों ने मंदिरों के दानपात्र तोड़ने के साथ दुकानों और ठेलों के ताले तोड़कर नकदी व सामान चुराना भी स्वीकार किया है।

मंदिरों के दानपात्र रहे निशाने पर

प्रतापनगर थाना क्षेत्र में आरोपियों ने प्रतापनगर से डबोक रोड पर पेट्रोल पंप के पास स्थित माताजी के मंदिर का दानपात्र तोड़ा। बोहरा गणेशजी मंदिर से प्रतापनगर की तरफ जाने वाले मार्ग पर राडाजी के मंदिर और देबारी टी-पॉइंट स्थित हनुमान मंदिर को भी निशाना बनाया। पुराने आरटीओ के पास ढीकली रोड स्थित हनुमान मंदिर में भी चोरी की वारदात करना स्वीकार किया।

हिरणमगरी क्षेत्र में पूजा पार्क सेक्टर-4, चौधरी हॉस्पिटल के पास और सेक्टर-6 सेवाश्रम रोड पर सिगरेट के केबिन तथा पान के गल्ले तोड़कर सिगरेट और नकदी चुराई। सेवाश्रम पुल के नीचे खड़े पराठे के ठेले का ताला तोड़कर भी रुपए निकाल लिए। इसके अलावा मनवाखेड़ा पार्क स्थित हनुमान मंदिर और शांति नगर सेक्टर-6 के राजाजी मंदिर के दानपात्र तोड़कर नकदी चुराई।

सवीना क्षेत्र में मंदिरों के साथ खंडहर मकानों में भी चोरी

सवीना थाना क्षेत्र में जड़ाव नर्सरी से मंडी रोड स्थित महादेव मंदिर, लालमगरी के पास जगन्नाथ मंदिर और 100 फीट माली कॉलोनी से परशुराम चौराहे की तरफ जाने वाले मार्ग पर स्थित महादेव मंदिर में चोरी की वारदातें करना स्वीकार किया। लालमगरी क्षेत्र में तीन से चार खंडहर मकानों से तांबा और लोहा चुराने की बात भी सामने आई है। इस तरह आरोपियों ने धार्मिक स्थलों के दानपात्रों से नकदी निकालने के अलावा उन स्थानों को भी निशाना बनाया, जहां ताला तोड़कर आसानी से सामान ले जाया जा सकता था।

एसपी के निर्देश पर बनी थी विशेष टीम

कार्रवाई एसपी डॉ. अमृता दुहन के निर्देश पर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश ओझा और वृत्ताधिकारी वृत्त नगर पूर्व छवि शर्मा के सुपरविजन में प्रतापनगर थानाधिकारी अजय सिंह के नेतृत्व में की गई। टीम में उपनिरीक्षक अशोक कुमार सिंह, सहायक उपनिरीक्षक किशन सिंह, हेड कांस्टेबल राजुराम तथा कांस्टेबल सोहन शर्मा, राजपाल और तेजाराम शामिल थे। सूरजपोल थाने के कांस्टेबल हितेन्द्र सिंह और धर्माराम ने भी कार्रवाई में सहयोग किया।

पुलिस के अनुसार दोनों बाल अपचारियों को डिटेन कर सम्प्रेषण गृह भेजा गया है। मामले में चोरी की अन्य वारदातों और बरामद नकदी से जुड़े पहलुओं की जांच की जा रही है।

सट्टे का 5 लाख का कर्ज था, ले ली बुजुर्ग महिला की जान, छत पर शव जलाकर 40 दोस्तों ने की पार्टी



24 न्यूज अपडेट

भीलवाड़ा। सट्टे की लत, लाखों रुपए का कर्ज और एक लाख रुपए हासिल करने की नाकाम कोशिश। भीलवाड़ा में 72 वर्षीय कमला देवी की हत्या के पीछे पुलिस की जांच में यही कहानी सामने आई है। आरोप है कि रकम नहीं मिलने पर आरोपियों ने बुजुर्ग महिला की हत्या कर दी। इसके बाद शव को मकान की छत पर जलाकर सबूत मिटाने की कोशिश की। वारदात की क्रूरता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि जिस छत पर शव जलाया गया, उसी जगह बाद में दोस्तों को बुलाकर नॉनवेज और शराब की पार्टी भी की गई। पुलिस ने मामले में चौथे आरोपी कालू तापड़िया को कोटा से पकड़ लिया है। उससे पूछताछ की जा रही है। भीमगंज थाना प्रभारी सुनील चौधरी के अनुसार कमला देवी की हत्या 12 अक्टूबर की रात करीब आठ बजे सुभाषनगर स्थित मकान में की गई थी। मुख्य आरोपी रवि तापड़िया और उसके साथी हीरा सिंधी पर सट्टे और नशे की लत होने की बात सामने आई है। पुलिस के मुताबिक हीरा पर करीब पांच से छह लाख रुपए का सट्टे का कर्ज था और उसे तत्काल दो लाख रुपए की जरूरत थी। इसी सिलसिले में उसने रवि से कमला देवी से एक लाख रुपए उधार दिलाने को कहा था। जब रकम मिलने की संभावना नहीं दिखी तो दोनों ने महिला के गहने लूटने और उनकी हत्या करने की साजिश रच डाली।

पुलिस जांच के मुताबिक 12 अक्टूबर की शाम रवि और हीरा ने हरीसेवा धर्मशाला के पीछे चौपाटी पर शराब पी। इसी दौरान कमला देवी को निशाना बनाने की योजना बनाई गई। इसके बाद रवि अपने स्कूटर पर बैठाकर उन्हें सुभाषनगर स्थित मकान पर ले गया। वहां करीब डेढ़ से दो घंटे तक बातचीत के दौरान आरोपियों ने उनसे एक लाख रुपए मांगे। कमला देवी ने रकम देने से इनकार किया तो रवि और हीरा ने हाथ-पैर साड़ी और चुन्नी से बांध दिए। उनके पहने हुए गहने उतार लिए गए और फिर रवि ने तकिए से मुंह दबाकर उनकी हत्या कर दी। अगले दिन देर रात करीब ढाई बजे रवि, उसके भतीजे कालू और आर्यन उर्फ चूचा ने शव को मकान की छत पर ले जाकर जला दिया। पहचान और सबूत मिटाने के लिए जली हुई हड्डियां, राख और कोयला इकट्ठा कर नदी और नालों में बहा दिए गए। छत पर खून और जलने के निशान छिपाने के लिए सीमेंट का घोल भी डाला गया। पुलिस को मकान की छत और नालियों से हड्डियों के अवशेष मिले हैं। इनकी डीएनए जांच कराई जा रही है, ताकि बरामद अवशेषों की पहचान की पुष्टि हो सके। जिस छत पर कमला देवी के शव को जलाया गया था, उसी स्थान पर रवि ने करीब 40 दोस्तों को बुलाकर नॉनवेज और शराब की पार्टी की। जुआ और सट्टा खेलने की बात भी सामने आई है। कमला देवी की तीन सोने की चूड़ियां हीरा सिंधी ने एक सर्राफा कारोबारी को 4.28 लाख रुपए में बेची थीं। हीरा के घर से 2.07 लाख रुपए नकद और वारदात में इस्तेमाल बाइक बरामद की गई है। रवि के घर से सोने की चेन, पेंडेंट, मंगलसूत्र सहित अन्य आभूषण मिले हैं। थाना प्रभारी सुनील चौधरी ने बताया कि मुख्य आरोपी रवि तापड़िया, हीरा सिंधी और आर्यन उर्फ चूचा को जेल भेजा जा चुका है। चौथा आरोपी कालू तापड़िया फरार था। उसकी तलाश में पुलिस टीम कोटा पहुंची, जहां से उसे पकड़कर भीलवाड़ा लाया गया। अब उससे पूछताछ की जा रही है।

रिटर्न पार्सल खोलकर निकालता था ब्रांडेड कपड़े, डिलीवरी एजेंट गिरफ्तार, 3.02 लाख के कपड़े बरामद



24न्यूज अपडेट

डूंगरपुर। रिटर्न पार्सल की डिलीवरी के दौरान ब्रांडेड कपड़े निकालकर उन्हें बाजार में कम कीमत पर बेचने का मामला सामने आया है। डूंगरपुर कोतवाली पुलिस ने इस मामले में डिलीवरी एजेंट कलीम अशरफ (24) को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि वह पार्सल से महंगे कपड़े निकालने के बाद कंपनी की असली ब्रांडेड टेप हटा देता था और उसकी जगह भूरे रंग की सामान्य टेप लगाकर पार्सल को दोबारा पैक कर देता था। इससे रास्ते में पार्सल से छेड़छाड़ होने का शक नहीं होता था। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 3 लाख 2 हजार 506 रुपए बाजार कीमत के कपड़े बरामद किए हैं। मामले की शुरुआत कैंटाबिल कंपनी के डूंगरपुर आउटलेट से दिल्ली मुख्यालय भेजे गए पुराने स्टॉक की खेप से हुई। कोतवाली थानाधिकारी हिमांशु सिंह के अनुसार उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले के हरैया निवासी विशाल सिंह ने 1 सितंबर को रिपोर्ट दर्ज कराई थी। कंपनी का पुराना स्टॉक दिल्ली भेजने के लिए डिलीवरी एजेंट कलीम अशरफ से संपर्क किया गया था। कलीम ने 19 जून को 11 बॉक्स गाड़ी में लेकर उदयपुर भेजने की बात कही थी। इसके बाद पार्सल दिल्ली स्थित कार्यालय पहुंचा तो जांच में कपड़ों की संख्या में बड़ा अंतर सामने आया।

खेप में कुल 210 कपड़े होने थे, लेकिन दिल्ली में बॉक्स खोलकर गिनती की गई तो 94 पीस कम मिले। इसके बाद कंपनी की ओर से पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। पुलिस ने जांच शुरू की तो पार्सल की डिलीवरी और उसके रास्ते में हुई गतिविधियों पर ध्यान केंद्रित किया। जांच के दौरान कलीम की भूमिका सामने आने पर उसे गिरफ्तार किया गया।

पुलिस के मुताबिक कलीम रिटर्न और रिप्लेसमेंट पार्सल की डिलीवरी का काम करता था। इसी प्रक्रिया का फायदा उठाकर वह पार्सल खोलता और उसमें से महंगे ब्रांडेड कपड़ों के एक-दो पीस निकाल लेता था। इसके बाद कंपनी की पहचान वाली टेप हटाकर भूरे रंग की टेप लगा देता था, ताकि पैकिंग देखने पर पार्सल सामान्य नजर आए और कपड़ों की कमी तत्काल पकड़ में न आए। चोरी किए गए कपड़ों को वह बाजार में कम कीमत पर बेचकर मुनाफा कमाता था।

दहेज के लिए विवाहिता को प्रताड़ित करने का आरोप, पति समेत पांच के खिलाफ मामला

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। वल्लभनगर थाना क्षेत्र की ताला बस्ती में दहेज की मांग को लेकर विवाहिता को प्रताड़ित करने का मामला सामने आया है। 23 वर्षीय दीपिका धनगर ने रिपोर्ट में आरोप लगाया कि ससुराल पक्ष के लोगों ने दहेज की मांग कर उन्हें परेशान किया। पुलिस ने 4 नवंबर को अदालत से मिले इस्तगासे के आधार पर बीएनएस की धारा 85 और 316(2) के तहत मामला दर्ज किया है। रिपोर्ट में पति हुवमीचंद धनगर निवासी ओड़ी, डबोक सहित पांच लोगों के नाम बताए गए हैं। मामले की जांच पुलिस कर रही है।

समाचार भेजने के लिए हमारी मेल आई-डी पर संपर्क करें -
desk24newsupdate@gmail.com
wathsapp : 8852073787

मंदिर का दानपात्र तोड़कर नकदी ले गए बदमाश

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र के देबारी चौराहे पर स्थित मंदिर में चोरी का मामला सामने आया है। अज्ञात बदमाश मंदिर का दानपात्र तोड़कर उसमें रखी नकदी चुरा ले गए। मंदिर से जुड़े भरत वैष्णव (33) निवासी देबारी ने 4 नवंबर को प्रतापनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 331(4) और 305(ए) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच एएसआई अमर सिंह कर रहे हैं।

सोशल मीडिया पर जाल बिछाकर महिला से 1.01 लाख की ठगी

उदयपुर। सोशल मीडिया के जरिए साइबर ठगी का एक और मामला प्रतापनगर थाने में दर्ज हुआ है। मादड़ी रोड नंबर दो स्थित 873 पुरोहितान निवासी गंगा गमेती ने शिकायत में बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने सोशल मीडिया के माध्यम से षड्यंत्रपूर्वक धोखाधड़ी कर उनसे 1 लाख 1 हजार 570 रुपए हड़प लिए। पीड़िता की शिकायत साइबर पोर्टल के जरिए थाने पहुंची। पुलिस ने बीएनएस की धारा 318(4), 319(2) और आईटी एक्ट की धारा 66डी के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की है।

ऑनलाइन साइट पर महिला से 1.69 लाख रुपए की धोखाधड़ी

उदयपुर। ऑनलाइन साइट के माध्यम से धोखाधड़ी का मामला हाथीपोल थाने में दर्ज हुआ है। मधुबन निवासी मोनिका अरोड़ा ने रिपोर्ट में बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने ऑनलाइन Bumpy साइट के जरिए उनके साथ धोखाधड़ी कर 1 लाख 69 हजार रुपए की राशि हड़प ली। पुलिस ने 4 नवंबर को बीएनएस की धारा 318(2) और 316(2) के तहत मामला दर्ज किया है। मामले की जांच पुलिस कर रही है।

ओटीपी लेकर क्रेडिट कार्ड से 1.54 लाख रुपए निकाले

उदयपुर। क्रेडिट कार्ड से ऑनलाइन ठगी का मामला भूपालपुरा थाने में दर्ज हुआ है। दुर्गा नर्सरी रोड निवासी रौनित जावरिया ने रिपोर्ट में बताया कि अज्ञात व्यक्ति ने उनसे ओटीपी प्राप्त कर क्रेडिट कार्ड के माध्यम से 1 लाख 54 हजार 415 रुपए की धोखाधड़ी की। घटना 20 अक्टूबर की बताई गई है। पुलिस ने 4 नवंबर को जीरो एफआईआर दर्ज कर बीएनएस की धारा 318(4) और 316(2) के तहत जांच शुरू की है।

सीमेंट भेजने के नाम पर कंपनी से 1.80 लाख रुपए ऐंठे

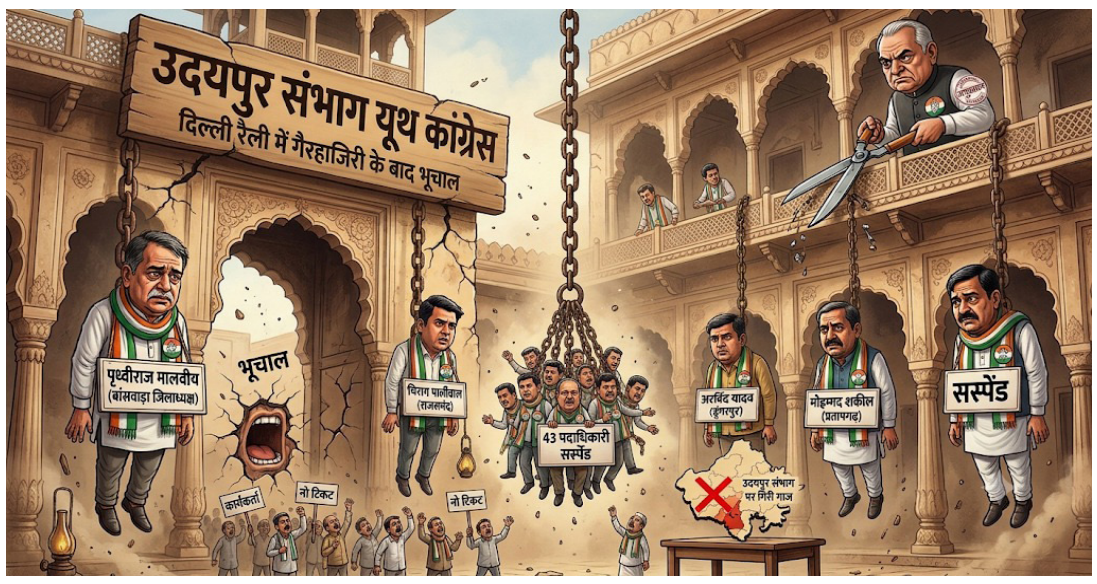
उदयपुर। सीमेंट भेजने का झांसा देकर एक कंपनी से ऑनलाइन 1 लाख 80 हजार 600 रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। भूपालपुरा थाना क्षेत्र में दर्ज रिपोर्ट के अनुसार कंपनी की ओर से अकाउंटेंट दिलीप शर्मा और परचेज मैनेजर जगन्नाथ खटिया निवासी अनुपम स्क्वायर ने शिकायत दी है। आरोप है कि अज्ञात व्यक्ति ने सीमेंट भेजने के नाम पर कंपनी से ऑनलाइन राशि ऐंठ ली। पुलिस ने 4 नवंबर को जीरो एफआईआर दर्ज कर बीएनएस की धारा 318(4) और 316(2) के तहत जांच शुरू की है।

देबारी पुलिया के पास ट्रक की टक्कर से बाइक सवार की मौत

उदयपुर। प्रतापनगर थाना क्षेत्र में देबारी पुलिया के पास ट्रक की टक्कर से बाइक सवार बाबूदास वैरागी की मौत हो गई। उनके बेटे तुलसीदास वैरागी निवासी महाराज की खेड़ी, डबोक ने रिपोर्ट में बताया कि 4 नवंबर को ट्रक चालक ने वाहन को कथित रूप से तेज गति और लापरवाही से चलाते हुए उनके पिता की मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। हादसे में बाबूदास की मौत हो गई। पुलिस ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ बीएनएस की धारा 281 और 106(1) के तहत मामला दर्ज किया है।

दिल्ली की रैली से गैरहाजिरी पर यूथ कांग्रेस में भूचाल, उदयपुर संभाग के चार जिलाध्यक्ष भी निलंबित

राजसमंद, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ के जिलाध्यक्षों पर कार्रवाई; राजस्थान में 12 जिलाध्यक्षों सहित 43 पदाधिकारी सस्पेंड



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दिल्ली के रामलीला मैदान में आयोजित कांग्रेस की रैली में भीड़ जुटाने और पदाधिकारियों की मौजूदगी सुनिश्चित करने का जिम्मा राजस्थान यूथ कांग्रेस के जिन नेताओं को दिया गया था, उनमें से कई खुद ही मैदान से नदारद रहे। अब इस गैरहाजिरी की राजनीतिक कीमत चुकानी पड़ी है। पार्टी ने अनुशासन और संगठनात्मक जवाबदेही का हवाला देते हुए राजस्थान यूथ कांग्रेस के 43 पदाधिकारियों को निलंबित कर दिया है। इनमें 12 जिलाध्यक्ष और 31 प्रदेश पदाधिकारी शामिल हैं। इस कार्रवाई का असर उदयपुर संभाग तक पहुंचा है। संभाग के राजसमंद, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और प्रतापगढ़ जिलों के यूथ कांग्रेस अध्यक्ष भी निलंबित किए गए हैं।

दिल्ली रैली के लिए यूथ कांग्रेस के पदाधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों से कार्यकर्ताओं और समर्थकों को लेकर पहुंचने का लक्ष्य दिया गया था। पार्टी स्तर पर यह भी रिपोर्ट तैयार की गई कि किस पदाधिकारी ने कितनी भागीदारी सुनिश्चित की और कौन स्वयं रैली में शामिल नहीं हुआ। इसी रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की गई। रैली में अनुपस्थिति को कांग्रेस नेतृत्व ने गंभीरता से लिया और संबंधित पदाधिकारियों को उनके पदों से निलंबित कर दिया।

उदयपुर संभाग के चार जिलों में संगठन को झटका

इस कार्रवाई में उदयपुर संभाग के चार जिलों के अध्यक्षों के नाम शामिल हैं। राजसमंद के चिराग पालीवाल, बांसवाड़ा के पृथ्वीराज मालवीय, डूंगरपुर के अरविंद यादव और प्रतापगढ़ के मोहम्मद शकील को निलंबित किया गया है। संभाग के आदिवासी बहुल जिलों बांसवाड़ा और डूंगरपुर के साथ राजसमंद और प्रतापगढ़ में भी यूथ कांग्रेस की जिला इकाइयों के नेतृत्व पर कार्रवाई हुई है।

12 जिलाध्यक्षों पर कार्रवाई

निलंबित किए गए 12 जिलाध्यक्षों में संभाग के चार नेताओं के अलावा चिराग पालीवाल (राजसमंद), विकास मांजू (जालोर), राजेश गोदारा (बीकानेर), रामेश्वर बैरवा (बारां), रामदयाल बेनीवाल (बीकानेर शहर), सुरेश माली (बालोतरा), हसन खान (डीग), आसिफ खान (चूरू) और प्रवीण सिखवाल (ब्यावर) शामिल हैं। इनके साथ पृथ्वीराज मालवीय (बांसवाड़ा), अरविंद यादव (डूंगरपुर) और मोहम्मद शकील (प्रतापगढ़) के नाम भी सूची में हैं।

प्रदेश संगठन के 31 पदाधिकारी भी निलंबित

जिलाध्यक्षों के अलावा प्रदेश संगठन के 31 पदाधिकारियों पर भी कार्रवाई की गई है। इनमें 20 प्रदेश सचिव शामिल हैं। निलंबित पदाधिकारियों की सूची में प्रकाश चंद मीणा (उपाध्यक्ष, एससी/एसटी), सद्दाम हुसैन मेव (महासचिव, अल्पसंख्यक), फैजान हसन कुरैशी (महासचिव, अल्पसंख्यक), जाफर हुसैन मीर (महासचिव, अल्पसंख्यक), सलमा पिनारा (महासचिव, अल्पसंख्यक महिला), रामफूल धाकड़ (महासचिव, ओबीसी), गणेश देवासी (महासचिव, ओबीसी), ठाकुर बिश्नोई (महासचिव, सामान्य), मंजुला देसाई (महासचिव, सामान्य महिला), अर्जुन सिंह बोचवाट (महासचिव, एससी) और दीपक मेघवाल (महासचिव, एससी) शामिल हैं। इनके अलावा आशीष बैरवा टटवाल, हिमांशु शर्मा, दिनेश कुमार गुर्जर, सुरेश गोदारा, नवाब खान, संग्राम सिंह गुर्जर, मुजाहिद कुरैशी, हुकमा राम, भारत मीणा, महबूब खान, भैरा राम पटेल, गनी मोहम्मद सिंधी, रवि कांत, गिरिराज कुमार, हिमांशु धाकड़, सुरेश कुमार गुर्जर, अरविंद योगी, विष्णु कुमार मीणा, आसिफ खान कायमखानी और पवन कुमार जांगिड़ को भी निलंबित किया गया है।

दिवाली पर उदयपुर में 10 दिन का ट्रैफिक प्लान, 6 से 15 नवंबर तक कई रास्तों पर वन-वे व्यवस्था

सुबह 8 से रात 11 बजे तक लागू रहेंगे प्रतिबंध, जगदीश चौक-चांदपोल और हाथीपोल क्षेत्र में वाहन चालकों को रखना होगा खास ध्यान



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। दीपावली के त्योहार पर बाजारों में बढ़ने वाली भीड़ और पर्यटकों की आवाजाही को देखते हुए यातायात पुलिस ने शहर के लिए विशेष ट्रैफिक प्लान जारी किया है। इसके तहत 6 से 15 नवंबर तक शहर के प्रमुख बाजारों, पर्यटन स्थलों और संकरे मार्गों पर वन-वे व्यवस्था लागू रहेगी। यह व्यवस्था प्रतिदिन सुबह 8 बजे से रात 11 बजे तक प्रभावी रहेगी। यातायात पुलिस का उद्देश्य त्योहार के दौरान जाम की स्थिति से बचना और आमजन व पर्यटकों की आवाजाही को सुगम बनाना है। राजस्थान पुलिस अधिनियम, 2007 की धारा 47 के तहत जारी आदेश के अनुसार निर्धारित मार्गों पर वाहनों की आवाजाही और प्रवेश को नियंत्रित किया जाएगा।

जगदीश चौक-चांदपोल मार्ग पर वाहनों की श्रेणी के हिसाब से आवाजाही

पुराने शहर के सबसे व्यस्त मार्गों में शामिल जगदीश चौक और चांदपोल के बीच वाहनों सूरजपोल से सिटी पैलेस तक भारी वाहनों की नो एंट्री सूरजपोल पुराने सीआर से बर्फ फैक्ट्री और रंगनिवास होते हुए सिटी पैलेस तक दुपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहन जा सकेंगे। इस मार्ग पर बसों और भारी वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। सिटी पैलेस के पीछे वाले गेट से चार पहिया वाहन दूध तलाई, पाला गणेशजी और किशनपोल होते हुए पटेल सर्कल की ओर जा सकेंगे। पटेल सर्कल और किशनपोल की तरफ से दूध तलाई जाने वाले दुपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहनों को सामान्य रूप से प्रवेश मिलेगा।

हाथीपोल से चांदपोल के लिए जाटवाड़ी मार्ग का विकल्प

हाथीपोल से जाटवाड़ी होते हुए चांदपोल तक के लिए अलग-अलग नियम रहेंगे। जगदीश चौक से चांदपोल की तरफ तिपहिया और चार पहिया वाहनों का निकास प्रतिबंधित रहेगा। चांदपोल से जगदीश चौक की ओर केवल दुपहिया वाहन ही एकतरफा जा सकेंगे। इस रास्ते से तिपहिया और चार पहिया वाहनों का निकास भी बंद रहेगा। वहीं, जगदीश चौक से घंटाघर थाने होते हुए हाथीपोल की ओर सभी वाहनों को एकतरफा निकास मिलेगा। इसके विपरीत हाथीपोल से घंटाघर थाने होते हुए जगदीश चौक जाने की अनुमति केवल दुपहिया वाहनों को होगी। तिपहिया और चार पहिया वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा।

दुपहिया, तिपहिया और चार पहिया वाहन जा सकेंगे। हालांकि, चांदपोल से हाथीपोल की तरफ लौटते समय तिपहिया और चार पहिया वाहनों को प्रवेश नहीं मिलेगा। चांदपोल से जाड़ा गणेशजी होते हुए ब्रह्मपोल और सुभाष चौराहे की तरफ तीनों श्रेणी के वाहन जा सकेंगे। दूसरी ओर, ब्रह्मपोल से सीधे चांदपोल की ओर तिपहिया और चार पहिया वाहनों का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। इनके लिए वैकल्पिक रास्ता तय किया गया है। ब्रह्मपोल से टीचर्स कॉलोनी, अंबामाता थाना, यादव कॉलोनी तिराहा, अंबावगढ़ कच्ची बस्ती और नई पुलिया होते हुए चांदपोल पहुंचा जा सकेगा।

पर्यटन थाना और रंगनिवास क्षेत्र में भी बदला रहेगा ट्रैफिक

जगदीश चौक से पर्यटन थाने की तरफ तिपहिया और चार पहिया वाहनों का निकास प्रतिबंधित रहेगा। इसी तरह पर्यटन थाने से जगदीश चौक की ओर भी इन वाहनों को प्रवेश नहीं मिलेगा। पर्यटन थाने से रंगनिवास और कालाजी गोराजी होते हुए आरएमवी तिराहे के सामने से अमृत नमकीन की तरफ तिपहिया और चार पहिया वाहनों को निकास दिया जाएगा। वहीं, वी-मार्ट से आरएमवी होते हुए कालाजी गोराजी की तरफ तीन पहिया और चार पहिया वाहनों का प्रवेश बंद रहेगा।

अंबामाता चौक से अंबापोल की ओर भी प्रतिबंध अंबामाता चौक से अंबापोल और जाड़ा गणेशजी की तरफ तिपहिया तथा चार पहिया वाहनों का प्रवेश पूरी तरह प्रतिबंधित रहेगा। यातायात पुलिस ने शहरवासियों और पर्यटकों से अपील की है कि वे 6 से 15 नवंबर तक निर्धारित वन-वे व्यवस्था का पालन करें। बाजारों में खरीदारी या पर्यटन के लिए निकलने से पहले रास्तों की जानकारी रखें और पुलिसकर्मियों के निर्देशों के अनुसार ही वाहन चलाएं, ताकि त्योहारी भीड़ के बीच जाम और अव्यवस्था की स्थिति न बने।

दीपावली से पहले मिठाइयों-नमकीन के लिए नमूने, 4 दिन में 30 से अधिक खाद्य पदार्थों की जांच

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा (कविता पारख)। दीपावली पर मिलावट रोकने के लिए चलाए जा रहे 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग ने 2 से 5 नवंबर तक चित्तौड़गढ़ जिले के विभिन्न शहरों और कस्बों में मिठाइयों, नमकीन, तेल, मावा, पनीर, मसालों सहित खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। इनमें विजय लक्ष्मी नमकीन, अन्नपूर्णा मिष्ठान भंडार, मातेश्वरी फीका मावा भंडार, चारभुजा स्वीट्स, वीर गुर्जर स्वीट्स, श्याम नमकीन एंड स्वीट्स, माहेश्वरी स्वीट्स, बीकानेर मिष्ठान भंडार, श्री नंदलाल कैलाशचन्द्र, खेतेश्वर जोधपुर मिष्ठान भंडार, बोम्बे रेस्टोरेंट, जोधपुर स्वीट्स एंड नमकीन, गौतम स्वीट्स एंड नमकीन, महावीर दूध डेयरी, धाकड़ टी एंड ब्रेक फास्ट, सांवरिया ट्रेडिंग कम्पनी, भवानी जोधपुर मिष्ठान भंडार, मयूर प्रोविजन स्टोर, मौसम बहार स्वीट्स, सत्यविजय स्वीट्स और पण्डित नमकीन शामिल हैं। सभी नमूने जांच के लिए राज्य केंद्रीय जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला भेजे गए हैं। रिपोर्ट के आधार पर आगे कार्रवाई होगी। अभियान जिला कलेक्टर और अभिहित अधिकारी एवं सीएमएचओ डॉ. ताराचन्द गुप्ता के निर्देशन में चलाया जा रहा है।

नगर निगम गैराज में खड़े कबाड़ होते वाहनों पर महापौर नाराज, अफसरों से पूछा- मरम्मत अब तक क्यों नहीं हुई?



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर की सफाई और सीवरेज व्यवस्था संभालने वाले नगर निगम के वाहन ही गैराज में लंबे समय से खड़े हैं। गुरुवार को अशोक नगर स्थित नगर निगम गैराज के औचक निरीक्षण में यह स्थिति सामने आई तो महापौर पारस सिंघवी ने नाराजगी जताई। वाहनों की मरम्मत में देरी और अधिकारियों की ओर से संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उन्होंने व्यवस्थाएं तत्काल सुधारने के निर्देश दिए। निरीक्षण में गैराज की सफाई व्यवस्था भी असंतोषजनक मिली। कुछ वाहन लंबे समय से खराब हालत में खड़े थे। अधिकारियों ने कंपनी में आवश्यक पार्ट्स उपलब्ध नहीं होने के कारण मरम्मत अटकी होने की जानकारी दी। इस पर महापौर ने सवाल उठाते हुए कहा कि निगम के संसाधन अनुपयोगी पड़े रहेंगे तो शहर की जरूरतों के समय उनका इस्तेमाल कैसे होगा। सिंघवी ने कहा कि सीवरेज लाइन अवरुद्ध होने या अन्य समस्या आने पर संबंधित वाहन तत्काल मौके पर पहुंचना चाहिए। इसी तरह कचरा परिवहन के लिए भी वाहनों की उपलब्धता जरूरी है। उन्होंने निर्देश दिए कि खराब वाहनों की जल्द मरम्मत करवाई जाए और गैराज में सफाई, रखरखाव व नियमित देखरेख की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महापौर ने अधीक्षण अभियंता लखनलाल बेरवा और सहायक अभियंता विजय सिंह चौहान को व्यवस्थाओं में शीघ्र सुधार के निर्देश दिए। अन्य अधिकारियों और कर्मचारियों की जिम्मेदारियां तय करते हुए आपसी समन्वय से काम करने को कहा। उन्होंने स्पष्ट किया कि निगम के संसाधनों का बेहतर उपयोग और शहरवासियों को समय पर सुविधाएं देना प्राथमिकता है। इसमें लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

गुप्तेश्वर मंदिर की तलहटी में भड़की आग, एक घंटे की मशक्कत के बाद पाया काबू



24 न्यूज अपडेट

उदयपुर। शहर के गुप्तेश्वर मंदिर की तलहटी में गुरुवार को अचानक आग भड़क उठी। पहाड़ी क्षेत्र में आग की लपटें तेजी से फैलने लगीं और आसमान में धुएं का घना गुबार उठने लगा। दूर से दिखाई दे रही आग और धुएं को देखकर आसपास के लोगों में हलचल मच गई। सूचना मिलने पर फायर ब्रिगेड मौके पर पहुंची और आग बुझाने का काम शुरू किया। पहाड़ी क्षेत्र में आग होने के कारण उसे नियंत्रित करना चुनौतीपूर्ण रहा। दमकलकर्मियों ने करीब एक घंटे तक मशक्कत की, जिसके बाद आग पर काफी हद तक काबू पाया जा सका। हालांकि, कुछ हिस्सों में देर तक धुआं उठता रहा। ऐसे में आग पूरी तरह बुझने और दोबारा भड़कने की आशंका खत्म होने तक निगरानी जरूरी बनी रही। आग से पहाड़ी की प्राकृतिक वनस्पति और पेड़-पौधों को नुकसान पहुंचने की आशंका है। साथ ही झाड़ियों और चट्टानों के आसपास रहने वाले छोटे वन्यजीवों के लिए भी खतरा पैदा हो गया। आग की चपेट में आने से उनके प्रभावित होने की आशंका जताई जा रही है। फिलहाल आग लगने का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। वन विभाग और पुलिस की टीमें यह पता लगाने में जुटी हैं कि आग प्राकृतिक कारणों से लगी या किसी ने जानबूझकर लगाई।

24 न्यूज़ अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा।